

12.6.17

पत्रावली कोट नदमा ओछ्याडा पर केरा
वादी सं० ३ उपारे-पत बाद पत्र के तथ्य
इस प्रकार है वि शाम तरुतपुरा ०५
गैले वन्दोवसत आराजी नम्बर ७९३। ३५॥।
वादी को पिता बालू लुहार के नाम पर दर्ज

वादी

दुई जे नवशे म नाडी अ.न 754 संसले
दुई होकर शस्ता दर्ज रेवार्ड 27 आज
आवही पर शस्ता चिवाल रहा है परन्तु
वन्दोबस्त के दोरान वाकी के आराजी के
मध्य राजस्ता रेवार्ड मे दर्ज कर दिना
गया। जो पूर्व रेवार्ड के सुवाकले नवशे मे
गती के सुवाकले गलत है इस लिख वाकी
वावाप जाना 45

अतः कादीगण वागत आराजी नाम्बर
793 के हाल नाम्बर 1361 व 1356 बने के
जिसके नवशे मे आराजिमत के मध्य
राजस्ता दर्ज विना जा कर अं पाच विना
गया है उथे डिप्टि विना जा कर शस्ता
प्रातिवाकी सं. 2 से इकी आराजी नाम्बर 1139
के वजा निव पूर्व नवशे अनुरना 2 तरासि
दिला नवशे पुकरत वराने नो आइत कहवु
वकी रिपलाय प्रातिवादीगण रेवार्ड नवशे
दुकरत करवाया जावे। तथा कादीगण के
भासपुण आराजी सं 1361 व 1356 का रवातेपत्र
वागतवाग धोषित विना जावे।

वतन्त लोग्ग ओज्याडा पर भू. अ. निरीसक
के मोवा रिपोर्ट मगई गई जिस मे वलक
गया की ग्राम तरलपुरा के अ.न. 1356 एवं
1428/1361 के मध्य शस्ता वाकत वाकी के
शस्ता पुराने नवशे मे परिचमी मंड अ.न
1139 के पास 27 तथा नवशे मे दोनो
खेती के बीच मे दर्ज कर दिना जिसे पुनः
दुकरत कर एक तरफा पहलो की तरह चिवाले
तथा वतमान शस्ता अ.न 1358 मे वाकी के
खेत के मध्य अ. भाग के खेत वाकी धोषित
विना जावे।

आदेश नं. १३५६/१३६१

आदेश नं. १३५६/१३६१
आ. नं. ७९३, ७९५/१ वी फाईवमी मंड पर लिखल
रहा २०. उक्त आ. नं. ७९३, ७९५/१ के नवीन
नाम्बर १३५६, १४२०/१३६१ अने छ. वर्तमान

नक्शों में यह शरतों को देखा गया है
 मध्य में लिखल रहा है, जब की मोर्चे
 पर यह शरतों आ.न 1425/136 की
 परिचामी में लिखल रहा है तथा सुधार
 रूप में पाया है

पन्नावली पर मुत परती के अन्त
 अब लोकर विप्रा गण। आ.न 1375/135
 एवं 1396 के विच शरतों राजरम शर्मा
 में दर्ज है जो मोर्चे पर केंद्र होकर देखा
 है रहा है शरतदार मोर्चे पर 1425/136
 की परिचामी पर लिखल रहा है

आदेश

आदेश दिया जाता है कि ग्राम
 तरवतपुर के आ.न 1425/136 शरतों
 01.03 की घा में से 0.8 बिरवा भूमि लाइलाल
 पिता के वीराम सुधार के अन्त शरतों में दर्ज
 आ.न 1358 शरतों 1.04 की घा विरम
 जो मु शरतों बिलालाम और 01.03 में से 0.8
 की घा भूमि लाइलाल पिता के वीराम सुधार
 के नाम दर्ज करें। एवं आ.न 1425/136
 शरतों 2.15 की घा में से 0.16 बिरवा भूमि
 शरतदार वमला शरतों पुत्री कालु गोपाल
 मु वमला शरतों के अन्त बिलालाम जो वमला
 शरतों जो मु शरतों दर्ज करें। आ.न 1358
 शरतों 1.04 की घा विरम जो मु शरतों में से
 1.6 बिरवा भूमि शरतों के अन्त शरतदार
 के नाम दर्ज किया जावे शरतदारों को
 शरतदार शरतदार धारित किया
 जाता है उक्तानुसार राजरम शर्मा
 में अंश न कर शरतों सर्वजनों के देखा

आज दिनांक 12.0.17 कोर्ट के मु
 को जमा में कर आम सुनाया गया
 पन्नावली पेशवा शुमा के पर
 नामबर के नाम है।

उपखण्ड अधिकारी एवं
 पदेन सहायक कलक्टर, रीवा

पीठासीन अधिकारी:- श्रीमति रेणु मीना आर०ए०एस०

उनवान

1. जामला पुत्री स्व. कालू लुहार निवासी तरलपुरा
 2. शांति पुत्री _____
 3. गोपाल पुत्र _____
- व्यंजनाम
- 1- लक्ष्मीलाल हमीरगढ़
 - 2- नैदा पुत्र नैरु लुहार निवासी तरलपुरा
 3. कालू पुत्र _____
 4. श्रीमती सीता पत्नी स्व. लोका लुहार
 5. कंका पुत्री _____
 6. I.C.I.C. वु ली हमीरगढ़

दावा बाबत- रु० 188,209 रु. 00/00

मुकदमा नम्बर :- 6116

निर्णय दिनांक :- 12.6.17

वादी की ओर से रु० 188,209 की व प्रतिवादी की ओर से _____ उपस्थिति में इस वाद में आज तारीख 12.6.17 को (नाम पीठासीन अधिकारी श्रीमती रेणु मीना) के समक्ष अन्तिम निपटारे के लिए पेश होने पर, आदेश किया जाता है और डिक्री दी जाती है कि:-

आदेश दिया जाता है कि जामला पुत्री एवं शांति पुत्री के नाम पर 1424/1361 शवाब 01.03 बीघा में से 00 रु. बिरता भूमि लाललाल पिता लोकाराम लुहार के नाम पर दर्ज करे। और 07. नं 1358 शवाब 1.04 बीघा बिरता गे. मु. शस्ता किलानाम गे. 00.00 में से 00.00 बीघा भूमि लाललाल पिता लोकाराम लुहार के नाम दर्ज करे। एवं आ. नं 1424/13561 शवाब 2.15 बीघा में से 01.6 बिरता भूमि शवातेदार कंका, शांति पुत्री कालू गोपाल मु. कालू लुहार के नाम पर किलानाम गे. 00.00 गे. मु. शस्ता दर्ज करे। आ. नं 1358 शवाब 1.04 बीघा बिरता गे. मु. शस्ता में से 1.6 बिरता भूमि शस्ता के नाम पर शवातेदार के नाम दर्ज किया जाये। शवातेदार के शवातेदार कारतवाह हुए बिरता कंका आता है शवाब 01.04 उनतनुसार शवाब 2.15 में अंवन कर शस्ता शवाब 01.04 रहेगा।

खर्चा फरीकेन अपना-अपना वहन करेंगे।

यह आज तारीख 12.6.17 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।



उपखण्ड अधिकारी
पदेन सहायक कलक्टर, हमीरगढ़